

22-11-22

परमवली के अर्द्ध बकील प्राथम उम.
अपार्थक सं. 1 व. 2 कवचुड सुचन अउ.

अपार्थक सं. 1 व. 2 का जखन कड दिख
जाकर उनके तरेक एक पक्षीय कार्यालयी
अमल में लख गइ। प्राथमिकता की एक
पक्षीय कडस सुनी गइ प्राथमिकता के अधिका
जे प्राथमिकता में बाधित तल्लो को दीह्यो
हुए अपार्थकता को वाड का निर्माण
तक अधिकागी निवेदावा से पाकड किये
जाने का निर्वेदन किया।

प्राथमिकता द्वारा कोरी खण्डवाक
जखन पेश नही किये जाने प्राथमिकता
में अहित तल्लो को सही जाने हुए प्राथमिकता
अपार्थकता को तारिकला मूल वाड अधिका
निवेदावा से पाकड किये जाता है। कि

- वह तरेकित आशजी ख. न 166, 167, 180
- 192, 254, 275, 276, 277, 562, 568, 839,
- 840, 235, 237, 258, 259, 260, 261, 262,
- 263, 264, 265, 266, 268, 272, 273, 274

कोके आश खेदियमान तहसील इन्डगढ में
रिखत कुपरिभाकी राजास रिहाड व मीके की
यथा रिहाती बनाये शरवे उमत्रपक्ष राजल
रिहाड में किनी प्रकार का पारिवर्तन

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नही करे । पत्रावली केंद्रल शुभा
द्वेकर संलग्न मूल वाड रहे ।

उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बून्दी